Seminar on 'Bharat@2047' organized at CUH

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 09-08-2024**

असंगठित को संगठित करने से विकसित होगा भारत : दीपक शर्मा

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के आत्मनिर्भर भारत सेल द्वारा गुरुवार को भारत एट 2047 विषय पर केंद्रित सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय व्यवस्था प्रमुख श्री दीपक शर्मा प्रदीप उपस्थित रहे। आयोजन में विशिष्ट वक्ता के रूप में स्वदेशी जागरण मंच हरियाणा के प्रांत संगठक श्री कुलदीप व समाजसेवी कैप्टन हंसराज ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ शुरू हुए इस सेमिनार को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता श्री दीपक शर्मा प्रदीप ने विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए असंगठित रोजगार व मानव संसाधन को संगठित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत में रोजगार से अभिप्राय संगठित क्षेत्रों में उपलब्ध नौकरियों से लगाया जाता है

दीप प्रज्जवलन कर सेमिनार का उद्घाटन करते दीपक शर्मा प्रदीप।

जोकि यहां उपलब्ध मानव संसाधन की अपेक्षा बहुत कम है। ऐसे में आवश्यकता है कि युवा शक्ति को उद्यमिता व स्वरोजगार के विकास हेतु तैयार किया जाए और इसके लिए विशेष प्रयास हों। उन्होंने कहा कि हमें वसुधैव कुटुम्कबम की परिकल्पना पर आगे बढ़ते हुए स्व के भाव के साथ मिलकर प्रयास करने होंगे। भारत इस दिशा में आगे बढ़ चुका है और अवश्य ही सामूहिक प्रयासों से निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति होगी। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत तभी संभव है जबकि लोग एक दिशा में मिलकर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि स्वावलंबी होना किसी भी देश के लिए जरूरी है। कुलपति ने इस अवसर पर विकसित भारत के निर्माण के लिए सुरक्षित होने की आवश्यकता पर भी जोर दिया और कहा कि इस अभियान में युवाओं की भूमिका विशेषकर विद्यार्थियों का योगदान सबसे महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वविद्यालय में आत्मनिर्भर भारत सेल व पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सम्मिलित गणमान्य अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि अवश्य ही उनके विचारों से विद्यार्थी लाभांवित होंगे। कार्यक्रम में प्रो. राजकुमार मित्तल द्वारा लिखित पुस्तक का लोकार्पण किया गया। आयोजन में सम्मिलित विशिष्ट वक्ता कुलदीप ने स्वावलंबी भारत अभियान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत सदैव से ही साधन सम्पन्न राष्ट्र रहा है। अंग्रेजों ने विकसित भारत को लूटकर खोखला किया, शिक्षा व्यवस्था को बदला और मानसिक रूप से भारतीयों को स्वरोजगार व उद्यमिता से विमुख किया। उन्होंने कहा कि अब समय बदल गया है और शक्तिशाली भारत के निर्माण का मूल मंत्र उद्यमिता विकास में छिपा है। इसी तरह कैप्टन हंसराज ने भी अपने संबोधन में भारतीय इतिहास और इसके विकास के लिए आवश्यक स्वावलंबी अभियान के विभिन्न पक्षों को प्रतिभागियों के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि स्व का भाव की हमें वर्ष 2047 तक विकसित बनाने में मददगार साबित होगा। कार्यक्रम के आरंभ में विश्वविद्यालय में सहायक आचार्य श्री संदीप बूरा विषय परिचय प्रस्तुत किया जबकि कार्यक्रम के अंत में श्री राजेश शास्त्री ने धन्यवाद ज्ञापित किया। आयोजन में विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रणबीर सिंह, डॉ. वेदप्रकाश लुहाच, डॉ. विकास सिवाच, डॉ. रामगोपाल निठरवाल, डॉ. सुनील कुमार, श्री पवन खेरवाल सहित भारी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 09-08-2024**

कार्यक्रम

हकेंवि में भारत एट 2047 विषय पर सेमिनार आयोजित

विकसित भारत की परिकल्पना पर दिया जोर

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के आत्मनिर्भर भारत सेल द्वारा भारत एट 2047 विषय पर केंद्रित सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय व्यवस्था प्रमुख दीपक शर्मा प्रदीप उपस्थित रहे।

विशिष्ट वक्ता के रूप में स्वदेशी जागरण मंच हरियाणा के प्रांत संगठक कुलदीप, समाजसेवी कैप्टन हंसराज ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। मुख्य वक्ता दीपक शर्मा प्रदीप ने विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए असंगठित रोजगार, मानव संसाधन को संगठित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत में रोजगार से अभिप्राय संगठित क्षेत्रों में उपलब्ध नौकरियों से लगाया जाता है जोकि यहां उपलब्ध मानव संसाधन की अपेक्षा बहुत कम है। आवश्यकता है कि युवा शक्ति को उद्यमिता व स्वरोजगार के विकास को तैयार किया जाए और इसके लिए विशेष प्रयास हों।

सेमिनार को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। स्रोत : हकेंवि

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विकसित भारत तभी संभव है, जबकि लोग एक दिशा में मिलकर आगे बढ़ेंगे। स्वावलंबी होना किसी भी देश के लिए जरूरी है। विकसित भारत के निर्माण के लिए सुरक्षित होने की आवश्यकता है तथा अभियान में युवाओं की भूमिका विशेषकर विद्यार्थियों का योगदान सबसे महत्वपूर्ण है।

कैप्टन हंसराज ने कहा कि स्व का भाव की हमें वर्ष 2047 तक विकसित बनाने में मददगार साबित होगा। सहायक आचार्य संदीप बूरा विषय परिचय प्रस्तुत किया पर्यटन व होटल प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रणबीर सिंह, डॉ. वेदप्रकाश लुहाच, डॉ. विकास सिवाच, डॉ. रामगोपाल निठरवाल, डॉ. सुनील कुमार मौजूद रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 09-08-2024**

असंगठित को संगठित करने से विकसित होगा भारत : दीपक

हकेंवि में भारत @ 2047 विषय पर सेमिनार

महेंद्रगढ़ | हकेंवि के आत्मनिर्भर भारत सेल द्वारा गुरुवार को भारत एट 2047 विषय पर केंद्रित सेमिनार का आयोजन किया गया। बतौर मुख्य वक्ता स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय व्यवस्था प्रमुख दीपक शर्मा, विशिष्ट वक्ता स्वदेशी जागरण मंच हरियाणा के प्रांत संगठक कुलदीप व समाजसेवी कैप्टन हंसराज ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। मुख्य वक्ता दीपक शर्मा ने विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए असंगठित रोजगार व मानव संसाधन को संगठित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत में रोजगार से अभिप्राय संगठित क्षेत्रों में उपलब्ध नौकरियों से लगाया जाता है, जोकि यहां उपलब्ध मानव संसाधन की अपेक्षा बहुत कम है। ऐसे में आवश्यकता है कि युवा शक्ति को उद्यमिता व स्वरोजगार के विकास हेतु तैयार किया जाए और इसके लिए विशेष प्रयास हों। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रतिभागियों को कहा कि विकसित भारत तभी संभव है, जब लोग एक दिशा में मिलकर आगे बढ़ेंगे। आयोजन में विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रणबीर सिंह, डॉ. वेदप्रकाश लुहाच, डॉ. विकास सिवाच, डॉ. रामगोपाल निठरवाल, डॉ. सुनील कुमार, पवन खैरवाल सहित अन्य उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 09-08-2024**

'असंगठित को संगठित करने से विकसित होगा भारत'

- आत्मनिर्भर भारत सेल की ओर से भारत एट 2047 विषय पर केंद्रित सेमिनार का आयोजन
- विकसित भारत तभी संभव है जब लोग एक दिशा में मिलकर आगे बढ़ेंगे : प्रोफेसर टंकेश्वर

दीप प्रज्ज्वलन कर सेमिनार का उद्घाटन करते दीपक शर्मा प्रदीप ● सौजन्य: हकेंवि

संवाद सहयोगी, जागरण ● महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के आत्मनिर्भर भारत सेल द्वारा बृहस्पतिवार को भारत एट 2047 विषय पर केंद्रित सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय व्यवस्था प्रमुख दीपक शर्मा प्रदीप उपस्थित रहे। आयोजन में विशिष्ट वक्ता के रूप में स्वदेशी जागरण मंच हरियाणा के प्रांत संगठक कुलदीप व समाजसेवी कैप्टन हंसराज ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। मुख्य वक्ता दीपक शर्मा प्रदीप ने विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए असंगठित रोजगार व मानव संसाधन को संगठित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत में रोजगार से अभिप्राय संगठित क्षेत्रों में उपलब्ध नौकरियों से लगाया जाता है। यहां उपलब्ध मानव संसाधन की अपेक्षा बहुत कम है। कुलपति ने कहा कि विकसित भारत तभी संभव है जब लोग एक दिशा में मिलकर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि स्वावलंबी होना किसी भी देश के लिए जरूरी है। उन्होंने विकसित भारत के निर्माण के लिए सुरक्षित होने की आवश्यकता पर भी जोर दिया और कहा कि इस अभियान में युवाओं की भूमिका विशेषकर विद्यार्थियों का योगदान सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अवश्य ही उनके विचारों से विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। प्रो. राजकुमार मित्तल द्वारा लिखित पुस्तक का लोकार्पण किया गया। विशिष्ट वक्ता कुलदीप ने कहा कि भारत सदैव से ही साधन सम्पन्न राष्ट्र रहा है। अंग्रेजों ने इसे लूटकर खोखला किया, शिक्षा व्यवस्था को बदला और मानसिक रूप से भारतीयों को स्वरोजगार व उद्यमिता से विमुख किया। उन्होंने कहा कि अब समय बदल गया है और शक्तिशाली भारत के निर्माण का मूल मंत्र उद्यमिता विकास में छिपा है। कैप्टन हंसराज ने भी भारतीय इतिहास और इसके विकास के लिए आवश्यक स्वावलंबी अभियान के विभिन्न पक्षों को प्रतिभागियों के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि स्व का भाव ही हमें वर्ष 2047 तक विकसित बनाने में मददगार साबित होगा। कार्यक्रम के अंत में राजेश शास्त्री ने धन्यवाद ज्ञापित किया। आयोजन में विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रणबीर सिंह, डा. वेदप्रकाश लुहाच, डा. विकास सिवाच, डा. रामगोपाल निठरवाल, डा. सुनील कुमार, पवन खेरवाल सहित शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 09-08-2024**

हकेंवि में भारत एट 2047 विषय पर सेमिनार का आयोजन

असंगठित को संगठित करने से ही विकसित होगा भारतः दीपक शर्मा

कार्यक्रम में मुख्यवक्ता के रूप में स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय व्यवस्था प्रमुख दीपक शर्मा ने भारत की मजबूती के टिप्स दिए

हरिभूमि न्यूज ▸▸ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के आत्मनिर्भर भारत सेल की ओर से वीरवार को भारत एट 2047 विषय पर केंद्रित सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यवक्ता के रूप में स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय व्यवस्था प्रमुख दीपक शर्मा प्रदीप उपस्थित रहे। आयोजन में विशिष्ट वक्ता के रूप में स्वदेशी जागरण मंच हरियाणा के प्रांत संगठक कुलदीप व समाजसेवी कैप्टन हंसराज ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

विश्वविद्यालय कुलगीत के साथ शुरू हुए इस सेमिनार को संबोधित करते हुए मुख्यवक्ता दीपक शर्मा प्रदीप ने विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए असंगठित रोजगार व मानव संसाधन को संगठित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत में रोजगार से अभिप्राय संगठित क्षेत्रों में उपलब्ध नौकरियों से लगाया जाता है, जोकि यहां उपलब्ध मानव संसाधन की अपेक्षा बहुत कम है। ऐसे में आवश्यकता है कि युवा शक्ति को उद्यमिता व स्वरोजगार के विकास के लिए तैयार किया जाए और इसके लिए विशेष प्रयास हों। उन्होंने कहा कि हमें वसुधैव कुटुम्कबम की परिकल्पना पर आगे बढ़ते हुए स्व के भाव के साथ मिलकर प्रयास करने होंगे। भारत इस दिशा में आगे बढ़ चुका है और अवश्य ही सामूहिक प्रयासों से निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति होगी।

इससे पूर्व में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विकसित भारत तभी संभव है जबकि लोग एक दिशा में मिलकर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि स्वावलंबी होना किसी भी देश के लिए जरूरी है। कुलपति ने इस अवसर पर विकसित भारत के निर्माण के लिए सुरक्षित होने की आवश्यकता पर भी जोर दिया और कहा कि इस अभियान में युवाओं की भूमिका विशेषकर विद्यार्थियों का योगदान सबसे महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वविद्यालय में आत्मनिर्भर भारत सेल व पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में सम्मिलित गणमान्य अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि अवश्य ही उनके विचारों से विद्यार्थी लाभांवित होंगे। कार्यक्रम में प्रो. राजकुमार मित्तल ने लिखित पुस्तक का लोकार्पण किया। आयोजन में सम्मिलित विशिष्ट वक्ता कुलदीप ने कहा कि भारत सदैव से ही साधन सम्पन्न राष्ट्र रहा है। अंग्रेजों ने विकसित भारत को लूटकर खोखला किया, शिक्षा व्यवस्था को बदला और मानसिक रूप से भारतीयों को स्वरोजगार व उद्यमिता से विमुख किया। उन्होंने कहा कि स्व का भाव की हमें वर्ष 2047 तक विकसित बनाने में मददगार साबित होगा। कार्यक्रम के आरंभ में विश्वविद्यालय में सहायक आचार्य संदीप बूरा विषय परिचय प्रस्तुत किया, जबकि कार्यक्रम के अंत में राजेश शास्त्री ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

महेंद्रगढ़। सेमिनार को संबोधित करते मुख्य वक्ता दीपक शर्मा प्रदीप। फोटो :हरिभूमि

ये रहे मौजूद

आयोजन में विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रणबीर सिंह, डॉ. वेदप्रकाश लुहाच, डॉ. विकास सिवाच, डॉ. रामगोपाल निठरवाल, डॉ. सुनील कुमार, पवन खैरवाल उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navoday Times **Date: 09-08-2024**

असंगठित को संगठित करने से विकसित होगा भारतः दीपक शर्मा

महेंद्रगढ़, 8 अगस्त (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के आत्मनिर्भर भारत सेल द्वारा गुरुवार को भारत एट 2047 विषय पर केंद्रित सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय व्यवस्था प्रमुख दीपक शर्मा प्रदीप उपस्थित रहे।

आयोजन में विशिष्ट वक्ता के रूप में स्वदेशी जागरण मंच हरियाणा के प्रांत संगठक कुलदीप व समाजसेवी कैप्टन हंसराज ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता

सेमिनार का उद्घाटन करते दीपक शर्मा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ शुरु हुए इस सेमिनार को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता दीपक शर्मा प्रदीप ने विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए असंगठित रोजगार व मानव संसाधन को संगठित करने पर जोर दिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विकसित भारत तभी संभव है जबकि लोग एक दिशा में मिलकर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि स्वावलंबी होना किसी भी देश के लिए जरूरी है।

आयोजन में सम्मिलित विशिष्ट वक्ता कुलदीप ने स्वावलंबी भारत अभियान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत सदैव से ही साधन सम्पन्न राष्ट्र रहा है। अंग्रेजों ने विकसित भारत को लूटकर खोखला किया, शिक्षा व्यवस्था को बदला और मानसिक रूप से भारतीयों को स्वरोजगार व उद्यमिता से विमुख किया। उन्होंने कहा कि स्व का भाव की हमें वर्ष 2047 तक विकसित बनाने में मददगार साबित होगा।

आयोजन में विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रणबीर सिंह, डॉ. वेदप्रकाश लुहाच, डॉ. विकास सिवाच, डॉ. रामगोपाल निठरवाल, डॉ. सुनील कुमार, पवन खेरवाल सहित भारी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Fri, 09 August 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/75609601